14.88.: चक्रन्द विग्ना कुररी 'व. — *Intens.* RIGV. 18.14.: इन्द्रमन्यवे वेविज्यते भिया. — *Caus.* perterrere. RAGH. 8.39.: तुमुलेना "र्तरवेण वेजिताः । विहगाः ... चुक्रुशुः. (*Cf.* वीज्.)

c. आ आविग्न i. q. विग्न. A. 6.9.

c. उत् 6. *A. interdum P.* 1) tremere, trepidare *metu*, timere. *C. ablat.* N. 13.54.: नरेभ्यश्च नो 'द्विजसि; MAN. 2.162.: सम्मानाद् ब्राह्मणो नित्यम् उद्विजेत विषाद् इव; BH. 12.15.: यस्मान् नो 'द्विजते लोको लोकान् नो 'द्विजतेच यः, MAH. 1.5549.: नित्यम् उद्यतदण्डाद् धि भृशम् उद्विजते जनः; 2.2211. 3.14660. *Etiam cum gen.* MAN. 7.103.: नित्यम् उद्यतदण्डस्य कृत्स्नम् उद्विजते जगत्; MAH. 1.2922.: तेजसस् तपसश्चै 'व कोपस्यच ... त्वम् उद्विजसे यस्य नो 'द्विजेयम् अहङ् कथम्. — उद्वेजनीय timendus, terribilis. MAH. 1.6731.: सक्तो मानुषमांसेषु ... उद्वेजनीयो भूतानाम्. 2) moerere. BHAG. 5.20.: न प्रहृष्येत् प्रियम् प्राप्य नो 'द्विजेत् प्राप्यचा 'प्रियम्. 3) *Trans.* terrere. MAH. 2.178.: कच्चिन् नो 'ग्रेण दण्डेन भृशम् उद्विजसे प्रजाः. — उद्विग्न i. q. विग्न. BH. 2.56.: दुःखेषु अनुद्विग्नमनाः. — *Caus.* terrere. MAH. 1.8427.

c. उत् praef. परि दुःखम् पर्युद्विजे dolorem patior. R. Schl. II. 66.9.: दुःखं वने पर्युद्विजिष्यते.

c. उत् praef. सम् समुद्विग्न *i. q.* विग्न, उद्विग्न. A. 7.28.

c. सम् संविग्न *id.*

2. विज् 3. *P. A. i. q.* विच्.

विजन (*BAH.* e वि et जन homines) vacuus ab hominibus, desertus. H. 1.23. N. 11.23.

विजय *m.* (r. जि praef. वि s. अ) victoria. SU. 2.4.

विजयिन् (a praec. s. इन्) victoriosus. IN. 1.39.

विजिगीषु (a जिगीष् *Desid.* r. जि - v. gr. 544. - suff. उ) vincendi cupidus. HIT. 94.13.

विज्ञ (r. ज्ञा praef. वि s. अ) sciens, intelligens. HIT. 74.12.

विज्ञान *n.* (r. ज्ञा praef. वि s. अन) cognitio, distinctio. SA. 5.22. BH. 3.41. 7.2.

विट् 1. *P.* (शब्दे *K.* आक्रोशे स्वने *V.*) sonare.

विटप *m. n.* surculus. H. 28.10. UR. 19.16. RITU-S. 1.24.

विटपिन् *m.* (a praec. s. इन्) arbor. AM.

विड् vel बिड् 1. *P.* (आक्रोशे *K.* क्रुशि *V.*) vociferari. *V.* विडाल *et cf.* विट्.

विडम्बन *n.* °ना *f.* (r. डम्ब् praef. वि s. अन) miseria. HIT. 99.18. 32.2.

विडाल *m.* (r. विड् s. आल) feles. HIT. 58.7.

विण्ट् 10. *P.* (क्षित्याम् *K.*; scribitur विट्, gr. 110[a].) perire. *Cf.* व्रण्ट्.

वितत v. r. तन् praef. वि.

वितथ (*BAH.* e वि et तथा sic *tanquam Substantivo, cf.* यथातथम्, gr. 675.) falsus. A. 3.12. *in comp. cum* अ *priv.*

वितर्क *m.* (r. तर्क् praef. वि s. अ) cogitatio, deliberatio. HIT. 128.21.

वितान *m. n.* (r. तन् praef. वि s. अ) 1) sparsio, expansio. AM. 2) velum in sublime expansum, «*a canopy, Baldachin*». UR. 59.13. 3) sacrificium. AM.

वितिमिर (*BAH.* e वि et तिमिर obscuritas) vacuus ab obscuritate, clarus. IN. 1.3.

वित्त् 10. *P.* (त्यागे, ut videtur, *Denom.* a वित्त) largiri, dare.

वित्त v. 2. विद्.

वित्तवत् (a praec. s. वत्) dives, opulentus. N. 16.31.

विथ् 1. *A.* (याचने *K.* याचे *V.*) orare, supplicare.

1. विद् 2. *P. interdum A.* वेद्मि, वेद (v. gr. 356.) *praet. multif.* अवेदिषम्, *fut. aux.* वेदिष्यामि, etiam वेत्स्यामि (MAH. 3.1651.), *part. pass.* विदित. *Ut videtur, primitive* videre (v. बुध् et cf. lat. *video*, gr. εἴδω etc.) inde. 1) percipere, sentire. RAGH. 14.56.: सा लुप्तसञ्ज्ञा न विवेद दुःखम्. 2) cognoscere, comperire. MAH. 3.16968.: तस्मान् ना "ख्यामि ते गुह्यङ् काले वेत्स्यति तद् भवान्; 2.1768.: तेन सङ्गम्य वेत्स्यामि कार्यस्या 'स्य विनिश्चयम्; H. 4.58.: शीघ्रङ् गच्छामो न नो विद्यात् सुयोधनः; BH. 18.23.: सन्न्यासस्य ... तत्त्वम् इच्छामि वेदितुम्. 3) scire.